खास-खबरें

जाट महासभा के पदाधिकारियों के साथ पौधरोपण किया

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट उद्यान में आम, अमरूद और बरगद के पौधे लगाए। मुख्यमंत्री के साथ जाट महाकुंभ के लिये भोपाल पधारे विभिन्न प्रांतों के प्रतिनिधियों और जाट महासभा के पदाधिकारियों ने भी पौध-रोपण किया। प्रमुख रूप से पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, हरियाणा के अभय चौटाला सतीश नांदल, मध्यप्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल, पप्पू गोरा, शिव पटेल, राधे जाट, संदीप बेड़ा, राजेश पटेल, एचपी सिंह, ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह और डॉ. राहुल पटेल शामिल थे। मुख्यमंत्री के नरेंद्र सलूजा और उनके पुत्र मीत सलूजा ने अपनी जन्म वर्षगाँठ पर साथ पौधरोपण किया।

राज्यपाल ने माता-पिता सम्मान संकल्प भारत यात्रा का किया शुभारंभ

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने संस्कार सेना द्वारा आयोजित माता-पिता सम्मान संकल्प भारत यात्रा कश्मीर से कन्याकुमारी तक का आज शुभारंभ किया। श्री पटेल ने यात्रा के वाहन को हरी झण्डी दिखा कर राजभवन से रवाना किया। उल्लेखनीय है कि संस्कार सेना की 51 दिवसीय यात्रा भोपाल से प्रारम्भ होकर सम्पूर्ण भारत का भ्रमण कर गाज़ियाबाद में संपन्न होगी। यात्रा का आयोजन समाज में माता-पिता के प्रति सम्मान के संस्कारों को बढ़ावा देना और युवा पीढ़ी को माता-पिता के सम्मान हेतु प्रेरित करना है।

राज्यमंत्री परमार आज घोषित करेंगे कक्षा 5वीं एवं 8वीं का परीक्षा परिणाम

भोपाल। प्रदेश में आयोजित कक्षा 5वीं और 8वीं बोर्ड पैटर्न वार्षिक परीक्षाओं का परिणाम सोमवार 15 मई को अपरान्ह 12:30 बजे स्कूल शिक्षा एवं सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री इन्दर सिंह परमार घोषित करेंगे। राज्य शिक्षा केन्द्र के द्वारा राजधानी भोपाल स्थित महर्षि पंतजलि संस्कृत संस्थान के सभागार में परीक्षा परिणाम उद्घोषणा कार्यक्रम आयोजित किया गया है। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र धनराजू एस ने बताया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम में हुए संशोधन के बाद विगत वर्ष मध्यप्रदेश की शासकीय शालाओं में कक्षा 5वीं और 8वीं के विद्यार्थियों की बोर्ड पैटर्न वार्षिक परीक्षा आयोजित की गई थी। उसके बाद इस शैक्षणिक-सत्र 2022-23 में प्रदेश की समस्त शासकीय, अशासकीय शालाओं और मदरसों के कक्षा 5वीं और 8वीं के विद्यार्थियों के लिए इस प्रकार की परीक्षा का आयोजन किया गया है, जिसमें लगभग 87 हजार शासकीय शाला, 24 हजार अशासकीय शाला और 1 हजार से अधिक मदरसों के करीब 24 लाख विद्यार्थी शामिल हुए हैं। राज्य शिक्षा केन्द्र ने इस वृहद कार्य के लिए समस्त व्यवस्थाएँ विभागीय स्तर पर ही करते हुए पारदर्शिता के साथ कार्य संपादन किया है। परीक्षाओं के परिणाम की घोषणा के साथ ही परीक्षा का विश्लेषण सार भी प्रस्तुत किया जायेगा।

मुख्यमंत्री को श्री सीताराम महायज्ञ में पधारने का निमंत्रण

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से आज बकतरा जिला सीहोर के नागरिकों के प्रतिनिधि-मंडल ने भेंट कर श्री सीताराम महायज्ञ में पधारने का निमंत्रण दिया। यह महायज्ञ श्री राम जानकी मंदिर प्रांगण बकतरा में 20 से 28 मई की अवधि में हो रहा है। यज्ञ के साथ ही श्रीराम दरबार एवं शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव भी होगा। मुख्यमंत्री से भेंट करने वालों में महंत गिरीश दास पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल, सहित लाल सिंह पटेल, महेश पटेल, गणेश पटेल, मंगल सिंह, उदय पटेल, बीएल चौहान और विनोद चौहान आदि शामिल थे। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधि-मंडल द्वारा दिए गए सुझावों के संदर्भ में जिला प्रशासन सीहोर को आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए निर्देश दिए।

मंत्री पटेल ने दिव्यांग पंजा कुश्ती विजेताओं का किया सम्मान

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री प्रेमसिंह पटेल ने आज बड़वानी में जिला स्तरीय दिव्यांगजन पंजाब कुश्ती प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया। पुरस्कृत खिलाड़ी 16 मई को भोपाल में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा जिला स्तरीय दिव्यांग पंजा कुश्ती प्रतियोगिता की गई थी। इसमें प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त मनोज पटेल, लोकेन्द्र आर्य, सोहन लोहारे, मोतीराम सेनानी, लता सोलंकी, रवीना बघेल, बीना जाधव, शांता किराड़े आदि विजेताओं का आज बड़वानी मे मंत्री प्रेमसिंह पटेल ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए शुभकामनाएँ दी और शाल-श्रीफल एवं शील्ड देकर सम्मान किया। सभी प्रतियोगी कांता विकलांग सेवा ट्रस्ट झाकर के पूर्व छात्र हैं।

राज्यपाल ने एक सप्ताह-एक प्रयोगशाला कार्यक्रम का शुभारंभ किया

एम्प्री प्रदेश का इंजन ऑफ इनोवेशन बने : राज्यपाल

एक सप्ताह-एक प्रयोगशाला आत्मनिर्भर भारत निर्माण की सार्थक पहल

भोपाल(काप्र)।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि एक सप्ताह-एक प्रयोगशाला कार्यक्रम आत्म-निर्भर भारत निर्माण की सार्थक पहल है। कार्यक्रम से भावी पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में योगदान की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सीएसआईआर एम्प्री प्रदेश में अनुसंधान, शिक्षा और उद्योग जगत के बीच सार्थक और समान हिस्सेदारी वाली साझेदारी विकसित कर इंजन ऑफ इनोवेशन बने।

राज्यपाल आज कॉउंसिल ऑफ़ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च के एडवांस्ड मैटेरियल्स एंड प्रोसस्सेस रिसर्च इंस्टिट्यूट (सीएसआईआर एम्प्री) के सभागार में एक सप्ताह-एक प्रयोगशाला के शुभारंभ अवसर पर शिक्षाविद, शोधकर्ता, उद्योगपति, उद्यमी, स्टार्ट-अप, स्कूल और कॉलेज के छात्र और आम जनता को संबोधित कर रहे थे। एम्प्री की गतिविधियों पर केन्द्रित फिल्म का प्रदर्शन और वन वीक वन लेब पुस्तिका का लोकार्पण किया गया। संस्थान द्वारा उद्यम के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए दस्तावेज का विनिमय भी किया गया। श्री पटेल ने कहा है कि दुनिया में आज वही राष्ट्र और समाज आगे होगा, जो तकनीकी ज्ञान में दूसरों की तुलना में आगे रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारे नागरिकों की सोच और समाज का वातावरण वैज्ञानिक हो, इसके लिए बहुआयामी प्रयास किए हैं। जय जवान-जय किसान-जय विज्ञान को आगे बढ़ाते हुए जय अनुसंधान के द्वारा देश में विज्ञान और अनुसंधान के लिए मज़बूत वातावरण निर्मित किया है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के द्वारा समग्र, अनुसंधान, चर्चा और विश्लेषण आधारित शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने का क्रांतिकारी कार्य किया है। नई शिक्षा नीति में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसे व्यावहारिक विज्ञान के विषयों को ज्ञान की अन्य शाखाओं से जोड़ा गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इंटरएक्टिव प्रयोगशालाओं के जरिए विज्ञान को मज़ेदार, रोचक और जानकारी पूर्ण बनाते हुए, बचपन से ही बच्चों में वैज्ञानिक शिक्षा के प्रति रूझान बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण और विवेक पूर्ण सोच विकसित करने में सीएसआईआर जैसी संस्थाओं और वैज्ञानिकों का आगे आना सराहनीय पहल है। श्री पटेल ने कहा कि आज़ादी का अमृत उत्सव राष्ट्र के अतीत के गौरव से युवाओं को परिचित और आज़ादी के 100 वर्षों की पूर्णता पर राष्ट्र के भविष्य निर्माण के लिए प्रतिबद्ध भावी पीढ़ी तैयार करने का संकल्प है। इस प्रसंग में सीएसआईआर एम्प्री को पिछले वर्षों की यात्रा का अभिलेखन कर, वर्ष 2047 के लिए एक विजन विकसित करना चाहिए।

सीएसआईआर एम्प्री के निदेशक डॉ. अवनीश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सप्ताह के दौरान 14 से 18 मई तक अलग-अलग तरह के 10 कार्यक्रम किये जायेंगे। इसका उद्देश्य प्रयोगशाला के शोध को आमजन तक पहुँचाना है। उन्होंने बताया कि रीजनल रिसर्च लेबोरेटरी के रूप में 14 मई 1981 को संस्थान की नई दिल्ली में स्थापना हुई थी, जिसे वर्ष 1983 में भोपाल स्थानांतरित कर दिया गया। वर्ष 2007 में भविष्यवादी दृष्टिकोण के साथ संस्थान का पुनर्गठन किया गया। संस्थान के 100 वैज्ञानिकों और तकनीशियनों की टीम निरंतर डिजिटल एवं हरित परिवर्तनों में अपनी भूमिका के प्रभावी निर्वहन के लिए शोध एवं अनुसंधान कार्य कर रही है। सीएसआईआर एम्प्री के मुख्य वैज्ञानिक मोहम्मद अकरम खान ने आभार माना। प्रारम्भ में श्री पटेल ने आयोजन स्थल पर प्रयोगशाला के शोध एवं अनुसंधान कार्यों पर केन्द्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। स्टाल पर अनुसंधानों के व्यवहारिक उपयोग और वाणिज्यिक संभावनाओं संबंधी जानकारी प्राप्त की।

वीर तेजाजी कल्याण बोर्ड बनेगा

जाट महाकुंभ में आए मप्र सहित अन्य राज्यों के प्रतिनिधि

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जाट समाज साहसी, परिश्रमी और वीर समाज है। यह समाज देश के लिए अन्न भंडार भरने का कार्य भी करता है। भारतीय सेना में जाट रेजीमेंट को शामिल किया गया है।

समाज में महाराज रणजीत सिंह से लेकर महाराजा यशोधर्मन, सूरजमल, भक्त कर्माबाई, महाराजा पोरस, पूरनमल, राजा महेंद्र प्रताप सिंह जैसी हस्तियाँ रही हैं। वीर तेजाजी महाराज जाट समाज के आराध्य हैं। इस नाते जाट समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए मध्यप्रदेश में वीर तेजाजी कल्याण बोर्ड का गठन किया जाएगा। तेजाजी महाराज के निर्वाण दिवस तेजा दशमी पर ऐच्छिक अवकाश भी रहेगा। साथ ही शैक्षणिक भवन के लिए भोपाल, इन्दौर और ग्वालियर में आवश्यक पहल की जाएगी। स्कूली पाठ्यक्रम में जाट महापुरूषों के इतिहास को भी शामिल किया जाएगा, जिससे युवा पीढ़ी प्रेरणा और मार्गदर्शन प्राप्त कर सके। श्री चौहान आज भोपाल के बीएचईएल दशहरा मैदान में जाट महाकुंभ को संबोधित कर रहे थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, मध्यप्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल, विधायक श्रीमती नीना वर्मा, हरियाणा से आए अभय चौटाला, यशपाल मलिक, महिला मोर्चा मध्यप्रदेश की अध्यक्ष श्रीमती माया नारोलिया, प्रहलाद पटेल, सानिका जाट, हनुमान बेनीवाल, युद्धवीर सिंह, शैलाराम सारण, राधेश्याम पटेल, रामदीन पटेल, बीलाश पटेल, नरेन्द्र जाखड़, शिव पटेल, राधेश्याम पटेल, निर्मल चौधरी सहित जाट समाज के जन-प्रतिनिधि और संस्थाओं के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों से भी जाट समाज के प्रतिनिधि सम्मेलन में शामिल हुए। श्री चौहान ने महाकुंभ में आए प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि वीर तेजस्वी तेजाजी महाराज ने गो-हत्या रोकने और गो-वंश-संरक्षण के लिए अथक प्रयास किए। ऐसा माना जाता है कि जाटों की उत्पत्ति भगवान शिव की जटाओं से हुई है। मुगलों के प्रतिरोध के लिए जाट एक बड़ी सैन्य शक्ति के रूप में सामने आए थे। भरतपुर के शासक राजाराम जाट ने औरंगजेब के खिलाफ संगठित विद्रोह का कार्य किया था। उसी तरह महाराजा सूरजमल और उनके पुत्र जवाहर सिंह के शौर्य की कथाएँ सुनने को मिलती हैं। राजा नाहर सिंह, हीरा सिंह, भूपिंदर सिंह, रघुवीर सिंह जींद, राजा महेंद्र प्रताप सिंह जैसे जाट शासकों ने अमिट छाप छोड़ी है। स्वामी केशवानंद ने स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया और समाज-सुधार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मध्यप्रदेश के नर्मदांचल में हरदा, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, देवास, धार और इन्दौर में बड़ी संख्या में जाट समाज निवास करता है। श्री चौहान ने समाज द्वारा दिए गए अन्य सुझावों पर भी परीक्षण के बाद आवश्यक कदम उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि उन्हें बाल्यकाल में जाट समाज से काफी स्नेह मिला है। सार्वजनिक जीवन में कार्य की शुरुआत के दौर में वरिष्ठ नेता विक्रम वर्मा का मार्गदर्शन मिला। इसके बाद एक साथी के रूप में कमल पटेल जुड़े। मुख्यमंत्री ने प्रारंभ में तेजाजी महाराज की तस्वीर के समक्ष नमन किया। जाट महाकुंभ में पधारे अतिथियों का स्वागत किया गया। स्वागत भाषण में लक्ष्मीनारायण गोरा ने जाट समाज के महापुरूषों के योगदान की जानकारी दी। जाट समाज के साहस और शौर्य की प्रतीक हस्तियों पर केन्द्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

प्रदेश में कुशवाहा समाज कल्याण बोर्ड बनेगा: चौहान

सागर जिले के लिए 865 करोड़ की 3 समूह जल-प्रदाय योजनाओं का भूमिपूजन

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज सागर में कुशवाहा समाज के संभागीय सम्मेलन में 10 करोड़ रूपये की लागत से लव कुश मंदिर और धर्मशाला निर्माण की घोषणा की। मंदिर के लिए 5 करोड़ और धर्मशाला के लिए 5 करोड़ रूपये राज्य सरकार द्वारा दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने स्थल चयन के लिए कुशवाहा समाज को जिम्मेदारी सौपी। जो स्थान चयनित होगा, उसी स्थल पर एक छात्रावास भी बनेगा। साथ ही मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में कुशवाहा समाज कल्याण बोर्ड के गठन की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि बोर्ड के अध्यक्ष को मंत्री का दर्जा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री आज सागर में अखिल भारतीय कुशवाहा समाज के संभाग स्तरीय सम्मेलन एवं सम्मान समारोह शामिल हुए। श्री चौहान ने कहा कि ऐसे युवा जिनको पढ़ाई के बाद रोजगार उपलब्ध नहीं हुआ है, उनको काम सीखने के लिए स्थान तय किए जा रहे है, जिससे वे कार्य सीख कर किसी उद्योग-धंधे में लग सके। काम सीखने के दौरान उन्हें 8 हजार रूपये प्रतिमाह दिया जाएगा। सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने सागर जिले के लिए 865 करोड़ 91 लाख रूपये की 3 नल-जल योजनाओं का भूमि-पूजन किया। नल-जल समूह योजना से 520 ग्रामों में पाइप लाइन बिछा कर घर-घर पानी पहुँचाया जायेगा। इनमें 202 करोड़ 99 लाख रूपये की सानौधा-मढ़िया जल-प्रदाय योजना शामिल है, जिसके पूरा होने पर 77 ग्राम लाभान्वित होंगे। सानौधा-बंडा जल-प्रदाय से 56 गाँव के घरों को लाभ मिलेगा। योजना की लागत 166 करोड़ 67 लाख रूपये आयेगी। देवरी-केसली जल-प्रदाय योजना से क्षेत्र के 387 गाँवों को लाभ मिलेगा, जिसकी लागत 496 करोड़ 25 लाख रूपये है। श्री चौहान ने कहा कि कुशवाहा समाज मेहनती और परिश्रमी हैं, जो खून-पसीने की कमाई से अपना जीविकोपार्जन करता है। समाज का इतिहास गौरवशाली है। इस समाज के अनेक साम्राज्य रहे, जिन्होंने सेवा-भावना से कार्य किया और सभी समाजों का कल्याण किया। स्वतंत्रता सग्राम में योगदान देने के साथ ही अंग्रेजों के छक्के भी छुड़ायें। देश सेवा में सर्वस्व न्यौछावर करने में कोई कसर समाज ने नहीं छोड़ी। वास्तव में कुशवाहा समाज देशभक्त समाज है, जिसने अन्य समाजों का कल्याण भी किया है। शुरूआत में मुख्यमंत्री ने तीन समूह नल जल योजना के भूमि-पूजन के बाद 11 महिलाओं को प्रतिकात्मक रूप कलश भेंट कर रवाना किया। उन्होंने कुशवाहा समाज के अराध्य देव लव कुश के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रवलित कर कन्या-पूजन कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कुशवाहा समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण राज्य मंत्री भारत सिंह कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने ऐसे समाजों को पहचान दी है, जिन्हें आगे आने का कभी मौका नहीं मिलता था। श्री कुशवाहा ने महान समाज सुधारक ज्योति बा फुले की जयंती पर ऐच्छिक अवकाश घोषित करने पर मुख्यमंत्री को समाज की ओर से धन्यवाद दिया। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि माता सावित्री बाई फुले की जीवनी को पाठयक्रम में शामिल करने और उनकी जयंती पर शासकीय कार्यक्रम करने की दिशा में भी कार्यवाही की गई है। अभा कुशवाहा महासभा के अध्यक्ष जेपी वर्मा एवं कुशवाहा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष नारायण सिंह कुशवाहा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। संयोजक अर्जुन पटेल ने स्वागत भाषण दिया। लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह, राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, जिले के प्रभारी एवं सहकारिता मंत्री अरविंद भदौरिया, सांसद राजबहादुर सिंह, विधायकद्वय शैलेन्द्र जैन एवं प्रदीप लारिया, ललितपुर के विधायक रामरतन कुशवाहा, महापौर श्रीमती संगीता तिवारी, खनिज विकास निगम के उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह मोकलपुर, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरासिंह राजपूत, बीज निगम के उपाध्यक्ष राजकुमार कुशवाहा, पशुधन कुक्कुट विकास निगम के उपाध्यक्ष नंदराम कुशवाहा, कुशवाहा समाज की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती राधा कुशवाहा, प्रदेश मंत्री प्रभुदयाल कुशवाहा सहित जन-प्रतिनिधि, कुशवाहा समाज के पदाधिकारी और संभाग के सभी जिलो से आये कुशवाहा समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री के सागर प्रवास के दौरान लाड़ली बहनों ने स्वागत-सम्मान कर राखी बाँधी और उनके साथ सेल्फी ली। जिले की सभी बहनें श्री चौहान का लाड़ली बहना योजना लागू करने के लिये आज मुख्यमंत्री से मिली और उन्हें महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की पहल पर धन्यवाद दिया।

आज मनेगी केवट जयंती, मत्स्य उत्पादकों से होगा संवाद

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री निवास पर 15 मई को केवट जयंती मनाई जायेगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश भर से आये केवट समुदाय के करीब 2000 प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा म.प्र. में खेती-किसानी को लाभ का व्यवसाय बनाने की मुहिम के अंतर्गत मत्स्य पालन, पशुपालन, उद्यानिकी आदि क्षेत्रों को भी भरपूर बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश में उपलब्ध जल-क्षेत्र के लगभग 99.6 प्रतिशत में मत्स्य-पालन किया जा रहा है। प्रदेश में वर्ष 2022-23 में 3 लाख 41 हजार टन मत्स्य-उत्पादन और 210 करोड़ स्टे फ्राई मत्स्य-बीज का उत्पादन किया गया। शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर सुगमता से सहकारी संस्थाओं से ऋण उपलब्धता के उद्देश्य से किसान क्रेडिट कार्ड की तर्ज पर प्रदेश के 80 हजार मत्स्य-पालकों को किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किये जा चुके हैं। प्रदेश में गत वर्ष अंतर्राष्ट्रीय स्तर की मत्स्य-उत्पादन कार्यशाला इंदौर में की गई, जिसमें 5 देशों के प्रतिनिधियों और 1000 मछुआरों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य प्रदेश में उत्पादित मछलियों की मार्केटिंग, ब्रान्डिंग और मत्स्य-पालन के क्षेत्र में नवीन आधुनिक तकनीकी का समावेश के लिए मत्स्य-पालकों को प्रेरित करना था। मत्स्य-पालन में प्रदेश के बालाघाट जिले को देश में उत्कृष्ट जिले का पुरस्कार मिला है। इसी तरह वर्ष 2022-23 में मध्यप्रदेश मत्स्य महासंघ को देश में सर्वश्रेष्ठ महासंघ का अवार्ड मिला।

पर्यटन निगम की होटल्स में शाकाहारी और मांसाहारी भोजन की अलग-अलग रखें किचन : सुश्री ठाकुर

भोपाल(काप्र)।

संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने कहा है कि भोजन बनाने में स्वच्छता और सात्विकता का होना बहुत जरूरी है। भोजन सीधे तौर पर हमारे मन और स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। इसी को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश पर्यटन निगम के सभी होटलों में शाकाहारी और मांसाहारी भोजन के किचन अलग-अलग रखने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया जायेगा, जिससे सभी पर्यटकों को पौष्टिक और सात्विक भोजन परोसा जा सकें। सुश्री ठाकुर के निर्देश पर पर्यटन निगम ने सभी इकाइयों के किचिन में वेज एवं नानवेज भोजन बनाने की पृथक-पृथक सेक्शन रखने संबंधी आदेश जारी किये हैं। साथ ही के मानक अनुसार फ्रीज, डीप-फ्रीज, चाकू, चॉपिंग बोर्ड आदि भी पृथक-पृथक रखें जायेंगे।

एम्स को गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का शीघ्र पता लगाने हेतु...

कायासर्वी नामक डिवाइस के परीक्षण एवं अनुसंधान के लिए 80 लाख का अनुदान

भोपाल (काप्र)।

कैंसर के लिए स्क्रीनिंग को शुरुआती पहचान और उपचार से मृत्यु दर को कम करने के लिए जाना जाता है। सबसे पहले, स्क्रीनिंग को उन कैंसर के निदान के समय को आगे बढ़ाना चाहिए जो मृत्यु का कारण बनते हैं।

दूसरा, इन कैंसर के शुरुआती उपचार से नैदानिक प्रस्तुति में उपचार पर कुछ लाभ मिलना चाहिए। अन्य कैंसर प्रकारों के विपरीत, गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का शीघ्र निदान और उपचार के लिए जांच की जा सकती है। भारत सरकार के इस मानदंड के आधार पर स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) प्रतिष्ठित ग्रांट-इन-एड (जीआईए) (प्रोजेक्ट आईडी- 2022-1988) के तहत डॉ. रश्मि चौधरी (मुख्य अन्वेषक), अपर प्रोफेसर एम्स भोपाल और उनके सहयोगी दल को कायासर्वी नामक मास-स्क्रीनिंग सर्वाइकल कैंसर डिवाइस के परीक्षण एवं अनुसंधान के लिए अनुदान स्वीकृत किया गया है। यह अमेरिकन रिसर्च पार्टनर डॉ सुलता द्वारकानाथ, सीईओ काया-17, यूएसए के सहयोग से कायासर्वी विकसित किया गया है।

यह अनुदान तीन वर्ष के लिए होगा। प्रख्यात चिकित्सकों और वैज्ञानिकों की शोध टीम भोपाल की सामुदायिक सेटिंग में यह अध्ययन करेगी। अध्ययन के समावेश और बहिष्करण मानदंड के अनुसार आकार नमूनाकरण (पीपीएस) की संभावना के अनुपात का उपयोग करके 36 गांवों (क्लस्टर) का चयन किया जाना है। कायासर्वी डिवाइस ने एम्स भोपाल अस्पताल सेटिंग में अपने शुरुआती पायलट अध्ययन (2019-20) में उत्साहजनक परिणाम दिए हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह अध्ययन सर्वाइकल कैंसर के शुरुआती निदान में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग के माध्यम से मील का पत्थर साबित होगा। डिवाइस को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपयोग में लाया जाएगा। चूंकि यह यूएसबी मोड के साथ भी काम कर सकता है, इस परीक्षण को करना आसान है। सैंपल लेने के 30 मिनट के भीतर ही टेस्ट के नतीजे सामने आ जाते हैं।